



2026:AHC:48336

उच्च न्यायालय, इलाहाबाद
रिट - सी संख्या - 7467 सन् 2026

मोहन एवं एक अन्य

... याचिकाकर्तागण

बनाम

राज्य उत्तर प्रदेश एवं 2 अन्य

... प्रतिवादीगण

याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता

: राजेन्द्र प्रसाद शुक्ला, ऋचा
शुक्ला, ऋषभ शुक्ला

प्रतिवादीगण के अधिवक्ता

: सी.एस.सी.

न्यायालय संख्या - 6

माननीय न्यायमूर्ति प्रकाश पडिया

1-वर्तमान याचिका में की गई एकमात्र प्रार्थना यह है कि प्रतिवादी संख्या-2/आयुक्त, गोरखपुर मण्डल, गोरखपुर को निर्देशित किया जाए कि पुनरीक्षण संख्या C202505000001455 के साथ प्रस्तुत अंतरिम राहत हेतु प्रार्थना-पत्र पर शीघ्रतापूर्वक उपयुक्त आदेश पारित करें।

2-विद्वान स्थायी अधिवक्ता द्वारा यह निवेदन किया गया कि प्रतिवादी संख्या-2 उक्त प्रकरण में यथाशीघ्र निर्णय लेगा।

3-पक्षकारों के विद्वान अधिवक्ताओं को सुना गया तथा अभिलेखों का अवलोकन किया गया।

4-प्रकरण के तथ्यों एवं परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए तथा वाद के गुण-दोष में प्रवेश किए बिना, वर्तमान याचिका का निस्तारण इस निर्देश के साथ किया जाता है कि प्रतिवादी संख्या-2/आयुक्त, गोरखपुर मण्डल, गोरखपुर अथवा वह न्यायालय, जिसके समक्ष वाद लंबित है, उपर्युक्त पुनरीक्षण के साथ प्रस्तुत स्थगन आवेदन का निस्तारण यथाशीघ्र करें तथा अधिमानतः इस आदेश की प्रमाणित प्रति प्रस्तुत किए जाने की तिथि से दो माह की अवधि के भीतर करें। साथ ही, यह भी निर्देशित किया जाता है कि संबंधित सभी पक्षकारों को सुनवाई का समुचित अवसर प्रदान किया जाए तथा

अस्वीकरण:- अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।



किसी भी पक्ष को अनावश्यक स्थगन न दिया जाए, जब तक कि कोई विधिक बाधा न हो।

(न्यायमूर्ति प्रकाश पडिया)

Translated Version. Not for Legal Use.

अस्वीकरण:-अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।